Cambridge International Examinations
Cambridge International General Certificate of Secondary Education

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER | CANDIDATE NUMBER

6248522222

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **October/November 2017**

2 hours

Candidates answer on the Question Paper.

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

The syllabus is approved for use in England, Wales and Northern Ireland as a Cambridge International Level 1/Level 2 Certificate.

This document consists of **13** printed pages and **3** blank pages.

DC (LK) 130227/4
© UCLES 2017

[Turn over

https://xtremepape.rs/

खंड 1

अभ्यास 1 प्रश्न 1–6

'जगतजाल की चपेट में ग्रामीण इलाके' पर निम्नलिखित आलेख पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अलवर के मंदिरा गांव में 19 साल के अब्दुल हसन की मोटरसाइकल ख़ासी चर्चा में है। इस मोटरसाइकल की ख़ूबी यह है कि इसे कंपनी के शोरूम से नहीं, बल्कि जगतजाल पर पुरानी मोटरसाइकल बेचने वाली साइट से ख़रीदा गया है। इस मोटरसाइकल पर बड़ी शान से बैठते हुए अब्दुल हसन कहते हैं, "मैंने यह बाइक पिछले साल जगतजाल पर जाकर एक वेबसाइट से ख़रीदी थी। बाज़ार में इसकी कीमत करीब 50,000 रुपए है।" अब्दुल हसन बताते हैं, "चूंकि ये मोटरसाइकल एक साल पुरानी थी तो इसे बेचने वाले ने मुझे 35,000 में दे दी। इस मोटरसाइकल की तस्वीरें मुझे भा गईं। देखने में इसकी हालत अच्छी दिखाई दी। बस फिर मैंने ज़्यादा नहीं सोचा और इसे ख़रीद लिया।"

अब्दुल हसन के लैपटॉप को देख कर लगता है कि वे उसका खूब ख़्याल रखते हैं। लैपटॉप के की-बोर्ड पर सफ़ेद पारदर्शी शीट लगी है ताकि उसमें धूल-मिट्टी न जा पाए। लैपटॉप पर कुछ देखते हुए वह कहते हैं कि उन्होंने इस मोटरसाइकल को खूब चलाया और अब वे नई मोटरसाइकल ख़रीदने की सोच रहे हैं। उन्होंने बताया, "मैं इसे भी उसी साइट पर ही बेच दूंगा। कितना आसान है जगतजाल पर खरीददारों को ढूंढना। और हां नई मोटसाइकल भी जगतजाल से ही खरीदूंगा।"

मंदिरा गांव में एक साल पहले गिने-चुने लोगों के पास ही स्मार्टफ़ोन था। लेकिन पिछले साल फ़रवरी में साइबर मोहल्ला खुलने के बाद लोगों के बीच जगतजाल के फ़ायदों के बारे में जागरुकता बढ़ी है। अब घर-घर में लोग स्मार्टफ़ोन ख़रीद जगतजाल का इस्तेमाल करने लगे हैं। अब्दुल हसन का कहना है, "अब तो स्मार्टफ़ोन के बिना ज़िंदगी मुश्किल ही नहीं असंभव सी लगती है। कभी-कभी जब कई घंटों तक बिजली गुल रहती है और फ़ोन चार्ज नहीं हो पाता, तो मन बेचैन सा हो जाता है।"

अब्दुल हसन छात्र हैं लेकिन वे अपने घर में खेती के काम में भी हाथ बटाते हैं। उनका परिवार गेहूं, बाजरा, चना और सरसों की खेती करता है। जगतजाल से मौसम के बारे में जो जानकारी मिलती है वह किसानों के लिए बहुत उपयोगी होती है। अब्दुल हसन का कहना है, "न सिर्फ़ मौसम की जानकारी बल्कि नौकरियों के लिए आवेदन, रेल यात्रा के लिए टिकट और अपनी परीक्षा का परिणाम देखने के लिए मैं अपने कम्प्यूटर का इस्तेमाल करता हूं। अब हमें इन कामों के लिए अलवर शहर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ती।" भारत की आधी से ज़्यादा आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और सभी इलाके पूरी तरह से जगतजाल से नहीं जुड़ पाए हैं। वे बताते हैं, "हमारे गांव आज के युग में सिर्फ़ इसलिए पिछड़े हैं क्योंकि हमें जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन आशा करते हैं कि तस्वीर बदलेगी।"

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/

1 मोटरसाइकल को 35,000 रूपये में क्यों बेचा गया?

.....[1]

2 अब्दुल हसन अपने लैपटॉप की देखभाल कैसे करते हैं?

.....[1]

3 मंदिरा गांव में स्मार्टफोन संबंधी जानकारी बढ़ाने में किस का योगदान है?

.....[1]

4 अब्दुल हसन कब धीरज खोने लगते हैं?

.....[1]

5 मंदिरा गांव में जगतजाल से किसानों को क्या लाभ मिलता है?

.....[1]

6 जगतजाल के अभाव का ग्रामीण क्षेत्रों पर क्या प्रभाव पड़ा है?

.....[1]

[अंक:6]

© UCLES 2017

[कृपया पृष्ठ उलटें]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 2 प्रश्न 7

मिलिए लोक नृत्यकारों से

नटराज संस्कृति केंद्र

पटियाला

पंजाब।

दूरभाष 91 (22) 25958841

नटराज संस्कृति केंद्र पटियाला के स्कूली बच्चों के लिए लोकसंस्कृति कार्यशाला आयोजित कर रहा है। संस्कृति केन्द्र लोक सांस्कृतिक गतिविधियों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यशाला में पारंपरिक लोक नृत्य खोड़िया के बारे में प्रशिक्षक लक्ष्मण सिंह छात्राओं को बतायेंगे। कार्यक्रम में केवल छात्राएं ही भाग ले सकती हैं। कार्यशाला में प्रशिक्षण मुफ्त दिया जाएगा। कृपया इस कार्यशाला में शामिल होने के लिए आवेदन करें।

रूखसाना हाशमी की उम्र 15 वर्ष है। उसे लोकनृत्य में विशेष रुचि है। वह पिछले 2 साल से पंजाबी लोकनृत्य सीख रही है। स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकनृत्य प्रस्तुति करना उसे बेहद पसंद है। वह पिछले 2 वर्षों के भीतर कई प्रस्तुतियां दे चुकी है। लेकिन वह लोकनृत्य की बारीकियों को जानना चाहती है। साथ ही वह अपने स्कूल में लोकनृत्य को प्रोत्साहन देने के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित करना चाहती है। अतः वह लोकनृत्य की बारीकियों को समझने के लिए इस कार्यशाला में जाना चाहती है। वह सोमवार से शुक्रवार तक स्कूल जाती है। उसका स्कूल 2 बजे समाप्त होता है। वह सप्ताहांत में ट्यूशन के लिए जाती है इसलिए सप्ताह के दौरान दोपहर का समय ही सर्वाधिक उचित है। वह पंजाब प्रांत के पटियाला शहर में अपने परिवार के साथ बिड़ला निकेतन के 15 नंबर के फ्लैट में रहती है। उसका ई-मेल है rh707@yahoo.com और उसका टेलिफोन न. 24759348 है।

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/

आप अपने को रूखसाना मानकर नीचे दिए गए आवेदन पत्र को भरिए।

नटराज संस्कृति केन्द्र
पटियाला, पंजाब।
दूरभाष 91 (22) 28159588

आवेदक का पूरा नाम .....

(सही का निशान लगाएं) आयु **11–13** ☐ **14–15** ☐ **16–18** ☐

ई-मेल - rh707@yahoo.com

पूरा पता - .....

.....

.....

निम्नलिखित विकल्पों के माध्यम से बताइए कि आप कब उपलब्ध हैं। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ **सप्ताह के दौरान।**
☐ **सप्ताहांत में।**

निम्नलिखित अवधियों में से उचित अवधि चुनें। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ **सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक**
☐ **दोपहर 4 बजे से 6 बजे तक**

लोकनृत्य संबंधी दो अनुभवों के बारे में बताइए।

.....

.....

.....

[अंक:7]

© UCLES 2017

[कृपया पृष्ठ उलटें]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3 प्रश्न 8–10

'शिक्षा और संसाधन' शीर्षक से निम्नलिखित लेख पढ़िए।

हाई कोर्ट को आखिर क्यों आदेश देना पड़ा कि सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों के बच्चे भी सरकारी स्कूलों में पढ़ें या न पढ़ें तो उनके वेतन से शुल्क की कटौती की जाए। इसके एक नहीं अनेक कारण हैं। हमारे यहां सरकारी स्कूलों ने एक से एक विभूतियों की मेधा को तराशा है। राजधानी ही नहीं प्रदेश के किसी भी जिले के राजकीय इंटर कॉलेज का इतिहास उठाकर देख लें, जिले की जो सर्वोच्च दस हस्तियां होंगी उनमें से दो तिहाई की शिक्षा ऐसे ही राजकीय विद्यालयों में हुई होगी। यह ज़रूर है कि जब से शिक्षा का व्यवसायीकरण हुआ, समाज के भीतर उच्च वर्ग या उच्च मध्यम तबका इन्हें हेय समझने लगा।

सरकारी स्कूलों के भीतर शिक्षा के गिरते स्तर के फलस्वरूप इन्हें खैराती स्कूल समझा जाने लगा और सबसे पहले सरकारी वेतन भोगियों ने ही अपने बच्चों को इन स्कूलों से निकाल लिया। अब तो स्वयं शिक्षक समाज भी इन विद्यालयों का माहौल अपने बच्चों के पढ़ने लायक नहीं मानता। जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। गत वर्ष हाई स्कूल की परीक्षा में राजधानी में राजकीय इंटर कॉलेज के छात्रों ने 87 फीसदी तक अंक अर्जित किए। गणित विषय में अधिकांश ने सौ में से सौ अंक हासिल किए।

यही स्थिति अन्य राजकीय इंटर कॉलेजों की है। ऐसे ही एक विद्यालय का हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम 78 फीसदी रहा। बच्चों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने के प्रति रूझान बढ़ा है। 2011 के श्रेष्ठ परीक्षार्थियों में राजकीय इंटर कॉलेज का भी एक छात्र था। जो विद्यालय और विद्यार्थी वर्तमान स्थितियों में ऐसी उपलब्धियां अर्जित कर सकते हैं, यदि उन्हें बेहतर संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो इनमें भी निखार आएगा। इन्हीं राजकीय इंटर कॉलेजों में कभी दाखिले के लिए मारामरी रहती थी और दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा तक देनी पड़ती थी।

नब्बे के दशक में एक-एक सीट पर प्रवेश के लिए मारामारी रहती थी। दरअसल, राजकीय इंटर कॉलेजों की भूमिका यू.पी. बोर्ड में वही है जो सी.बी.एस.ई. बोर्ड में केंद्रीय विद्यालयों की। केंद्रीय कर्मचारी आज भी केंद्रीय विद्यालयों में अपने बच्चों का दाखिला कराने को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन ऐसा राज्य कर्मचारियों के साथ नहीं है। दरअसल, पिछले दो दशकों में कुछ लोगों ने अपने निजि हितों के लिए शिक्षा में सरकारी तंत्र से गठजोड़ कर नियोजित ढंग से सरकारी स्कूलों की कमर तोड़ दी है। इसके पीछे प्रमुख लक्ष्य है कि उनकी दुकान चलती रहे। हाई कोर्ट के आदेश में जनभावना झलकती है। इसके अंतर्गत इन विद्यालयों का स्तर उठाना है तो दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के साथ निर्णय करने और अतिरिक्त संसाधन जुटाकर ही सूरत बदली जा सकती है। भविष्य में इन सकारात्मक बातों को अपनाकर सरकारी शिक्षा के भीतर नई उर्जा को पैदा किया जा सकता है।

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3 प्रश्न 8–10

वर्तमान स्कूली शिक्षा के विषय पर आपको स्कूल पत्रिका के लिए निबंध लिखना है। 'शिक्षा और संसाधन' लेख में से नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक के अंतर्गत नोट लिखें जिसपर आपका निबंध आधारित होगा।

8 शिक्षा के व्यवसायीकरण का प्रभाव।

- ..... [1]
- ..... [1]

9 सरकारी विद्यालयों की सफलता के प्रमाण।

- ..... [1]
- ..... [1]
- ..... [1]

10 परिवर्तन के लिए सुझाव।

- ..... [1]
- ..... [1]

[अंक:7]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 4 प्रश्न – 11

'जंगलों में खत्म हो गया पानी', आलेख की मुख्य बातों को बताते हुए इसका सारांश अपने शब्दों में लिखिए। आपका सारांश पशुओं के लिए पानी की कमी और उसके प्रभाव पर केन्द्रित होना चाहिए। आपका सारांश 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

संगत बिन्दुओं के समावेश के लिए 6 अंक और भाषिक अभिव्यक्ति के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। पाठांश से वाक्य उतारना उचित नहीं है।

प्रकृति की अनमोल देन पानी को मनुष्य ने मनमाने तरीके से दोहन किया। आज चारों तरफ से जल संकट का हाहाकार सुनाई देने लगा है। इससे हम तो जूझ ही रहे हैं, इसका नुकसान अब जंगलों में रहने वाले जानवरों को भी भुगतना पड़ रहा है। वन्य प्राणियों को अब पीने के पानी की तलाश में लम्बी-लम्बी दूरियाँ तय करनी पड़ रही है। इतना ही नहीं कई बार ये पानी की तलाश में जंगलों से सटी बस्तियों की तरफ निकल आते हैं। ऐसे में जानवर गाँव वालों या उनके बच्चों पर हमला कर देते हैं या लोग इनसे डरकर इन पर भी हमला कर देते हैं। मध्यप्रदेश में बीते दिनों ऐसी कई घटनाएँ सामने आई हैं।

इसी साल करीब इस तरह की दर्जन भर घटनाएँ सामने आ चुकी है। इनमें एक तेंदुए की तो घायल हो जाने से मौत भी हो चुकी है। गुजरात की सीमा से सटे अलीराजपुर जिले के एक गाँव झोलिया में रात के समय तेंदुआ डेढ़ साल की एक बच्ची को लेकर भागने लगा, तभी ग्रामीणों की नींद खुल जाने पर उसे पत्थर मारे तो वह बच्ची को घायल छोड़कर भाग गया। बाद में बच्ची का इंदौर में इलाज चला। इतनी बड़ी तादाद में घटनाओं के बावजूद वन विभाग ने अतिरिक्त रूप से फिलहाल कोई व्यवस्थाएँ नहीं की है। वन अधिकारी दावे तो करते हैं लेकिन हकीकत इससे अलग है। ज़िम्मेदार अधिकारी मानते हैं कि इसके लिए उन्हें सरकार से कोई अतिरिक्त बजट नहीं मिलता। पानी के नए स्रोत बनाने का काम बहुत खर्चीला है पर प्राकृतिक स्रोतों की सफाई और हौदियाँ तो बनवाई ही जा सकती है। वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से वन्यप्राणी परेशान होकर बस्ती-बस्ती भटकने को मजबूर हैं।

वन्यप्राणी विशेषज्ञ बताते हैं कि जंगलों में पानी के प्राकृतिक स्रोत और संसाधन तेजी से खत्म हो रहे हैं। जो बचे हैं वे भी सूखने लगे हैं। फलस्वरूप पेड़ों की संख्या में भी कमी आई है। जंगलों के बीच से गुजरने वाली नदियाँ और नाले गर्मियां आते ही जवाब देने लगती हैं। जंगली जानवर हमेशा से ही अपने पीने के पानी के लिए आस-पास के नदी-नालों पर निर्भर रहते थे। लेकिन अब गर्मियों के दिनों में वन्यजीवों के लिए ख़ासी मुश्किलें आती हैं। जंगलों का दायरा भी अब लगातार कम होने लगा है। दरअसल विकास की अंधी दौड़ में हमने अपने फायदों के लिए प्रकृति का ताना-बाना भी बिगाड़ दिया है। एक तरफ जैव विविधता के नाम पर विभिन्न प्रजातियों को सहेजने के लिए सरकार करोड़ों रूपये खर्च कर रही है तो दूसरी तरफ ये बेजुबान सिर्फ पानी के लिए यहाँ-वहाँ भटकने को मजबूर है।

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/

'जंगलों में खत्म हो गया पानी'

[अंक:10]

https://xtremepape.rs/

खंड 2

अभ्यास 5 प्रश्न 12–18

निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

घराना संगीत परंपरा के तहत राजस्थान के हीरानी घराने का विशेष स्थान है। अब इस घराने की 14वीं पीढ़ी ने बेहतरीन ढंग से अपने घराने को आगे बढ़ाया है। इस घराने के गायक नूबे ख़ान बताते हैं कि कैसे उन्होंने अपनी संगीत शिक्षा पूरी की, फ़िल्मों में गाना गाया और कैसे रेगिस्तान की रेत से निकलकर मुंबई के स्टूडियो पहुंचे। हीरानी घराने की कहावत है कि यहां का बच्चा अगर रोता भी है तो सुर में रोता है। शादी या जन्मदिन के मौकों पर गीत गाने के लिए गायक नूबे ख़ान का घराना आज चर्चा में हैं। उन्होंने मुंबई के स्टूडियो में संगीतकार देव मिश्रा के साथ मिलकर राजस्थानी संगीत को पश्चिमी शैली से मिला दिया। नूबे के गानों ने सबका मन मोह लिया और रातों रात प्रसिद्ध हो गए।

नूबे कहते हैं, "मेरे जीवन की शुरुआत संगीत से हुई है। मेरे पिता बिस्मिला ख़ान हमारे घराने के बड़े गायकों में हैं। संगीत की दुनिया में मैंने सबसे पहले अपने पिता को ही सुना था और मैं उनका प्रशंसक हो गया था।" नूबे के अनुसार हीरानी घराने में हर बच्चा संगीत के माहौल में बड़ा होता है। खाते-पीते उठते-बैठते संगीत ही सुनता है, सीखता है लेकिन इसकी कोई डिग्री नहीं होती। वे कहते हैं, "हमारे घराने में सब कुछ मौखिक है। कहीं पर कुछ लिखा हुआ नहीं है। ऐसे ही चलता आ रहा है। लेकिन मैं इसको आहिस्ता-आहिस्ता लिख रहा हूं क्योंकि न लिखने की वजह से बहुत सारे गाने लुप्त हो गए हैं।"

चौदह पीढ़ियों से यह घराना गाना गाता आ रहा है पर इस घराने को लोग तब से जानने-पहचानने लगे हैं, जब से नूबे ख़ान ने मुंबई के स्टूडियो में संगीतकार देव मिश्रा के साथ गाना गाया। हालांकि इससे पहले नूबे ने कई हिंदी फ़िल्मों में गाना गाया था, लेकिन लोग तब नूबे ख़ान के बारे में नहीं जान पाए थे। ऐसा क्यों? इस पर नूबे कहते हैं, "मेरा मानना है कि आजकल आपको सोशल मीडिया में आना बहुत ज़रूरी है। मेरा कोई भी गाना 14 साल पहले मेरे गांव में 3000 लोग सुनते थे लेकिन आज वही गाना लाखों लोग सुनते हैं और यह काम मुंबई के स्टूडियो में गाने के बाद संभव हुआ।" नूबे ख़ान ने लय और ताल संबंधी कुछेक परिवर्तन किए हैं लेकिन अपनी परंपरा को नहीं छोड़ा है।

नूबे को अफ़सोस है कि बहुत समय से बॉलीवुड में राजस्थानी लोक संगीत का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है पर उसे वह दर्ज़ा नहीं मिला जो पंजाबी संगीत को मिला। वे कहते हैं,"कई साल से राजस्थानी गानों का फ़िल्मों में इस्तेमाल हो रहा है, इन सब में आपको राजस्थानी मिट्टी की खूशबू आएगी लेकिन उसे श्रेय देने में फ़िल्म जगत पीछे रह जाता है।" नूबे ख़ुद को खुशनसीब मानते हैं कि उनको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मंच मिला और इसके ज़रिए वह अपने घराने को नई ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं।

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/

कृपया प्रश्न 12 से 15 तक के उत्तर सही या ग़लत के कोष्ठक में ✓ का निशान लगाकर दीजिए। यदि वाक्य ग़लत है तो उसे पाठांश के आधार पर ठीक कीजिए।

	सही	**ग़लत**
उदाहरण - घराना संगीत परंपरा में हीरानी घराने का सामान्य स्थान है। **औचित्य - घराना संगीत परंपरा में राजस्थान के हीरानी घराने का विशेष स्थान है।**	☐	☑
12 अपनी संगीत शिक्षा पूरी करके सांस्कृतिक मंचों पर गीत गाये। ..... **13** धर्मिक अवसरों पर गीत गाने वाला यह घराना आज लोकप्रिय है। ..... **14** सबसे पहले अपने पिता का गाना सुनकर उनका प्रशंसक हो गया था। ..... **15** अधिकतर गाने लिखित रूप में मौजूद हैं।	☐ ☐ ☐ ☐	☐ ☐ ☐ ☐

अब निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

16 सोशल मीडिया ने नूबे ख़ान के संगीत को लोकप्रिय बनाने में क्या भूमिका निभाई?

.....

17 अब नूबे ख़ान के संगीत में पहले की अपेक्षा क्या अंतर आए हैं?

.....

18 नूबे ख़ान बॉलीवुड के बारे में नकारात्मक धारणा क्यों रखते हैं?

.....

[अंक:10]

© UCLES 2017

[कृपया पृष्ठ उलटें]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 6 प्रश्न 19

क्या रियलिटी टी.वी. रचनात्मक प्रतिभा को उभारता है?

क्या आप इस कथन से सहमत हैं "सच्चे कलाकार सफलता के लिए रियलिटी टी.वी. पर निर्भर नहीं हैं।" आपके स्कूल ने इस विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की है। आपका निबंध विषय के पक्ष अथवा विपक्ष पर होना चाहिए। आपका विवरण विषय से संबंधित जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

आपका विवरण 150 से 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

लिखित विवरण पर अंर्तवस्तु के लिए 10 अंक और सटीक भाषा के लिए भी 10 अंक निर्धारित हैं।

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

[अंक:20]

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2017

https://xtremepape.rs/